

Raja Rammohan Roy (1772-1833)



- A reformer, scholar and harbinger of the Indian Renaissance
एक सुधारक, विद्वान और भारतीय नवजागरण के अग्रदूत



- He fought for social and religious reforms in society and campaigned for women's rights.
उन्होंने समाज में सामाजिक और धार्मिक सुधारों के लिए संघर्ष किया और महिलाओं के अधिकारों के लिए अभियान चलाया।



- He is considered a pioneer in fighting for the right for widows to remarry and the right for women to hold property.
विधवाओं को पुनर्विवाह का अधिकार दिलाने और महिलाओं को संपत्ति रखने के अधिकार के लिए संघर्ष करने में उन्हें अग्रणी माना जाता है।



- He also supported the education of women.
उन्होंने महिलाओं की शिक्षा का भी समर्थन किया।



- In 1828, Roy founded the Brahmo Samaj which was one of the first socio-religious reform organisations in the country. He fought for the abolition of the gruesome practice of sati.
1828 में, रॉय ने ब्रह्मो समाज की स्थापना की, जो देश के पहले सामाजिक-धार्मिक सुधार संगठनों में से एक था। उन्होंने सती प्रथा के अमानवीय उन्मूलन के लिए संघर्ष किया।



- He was greatly influenced by western modern thought and stressed rationalism and a modern scientific approach.
वे पश्चिमी आधुनिक विचारों से काफी प्रभावित थे और उन्होंने तर्कवाद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर दिया।



- He was a strong opponent of the caste system and believed in the social equality of all human beings.
वे जाति व्यवस्था के प्रबल विरोधी थे और सभी मनुष्यों की सामाजिक समानता में विश्वास करते थे।



- He believed monotheism is also the fundamental message of Vedanta
वे मानते थे कि वेदांत का मूल संदेश भी एकेश्वरवाद है।



Newspapers



1 SAMBAD KAUMUDI
(Bangla) 1821

संवाद कौमुदी
(बंगला) 1821

2 BRAHMINICAL MAGAZINE
(English) 1821

ब्राह्मिनिक मैगज़ीन
(अंग्रेज़ी) 1821

3 MIRAT-UL-AKHBAR
(Persian) 1822

मिरात-उल-अखबार
(फारसी) 1822



Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.

Mahatma Jyotiba Phule (1827-1890)



- **Mahatma Jyotiba Phule** was a social reformer, anti-caste activist, thinker and writer.

महात्मा ज्योतिबा फुले एक सामाजिक सुधारक, जाति-प्रथा विरोधी कार्यकर्ता, चिंतक और लेखक थे।



- He dedicated his towards education and upliftment of the oppressed, eradication of untouchability and the caste system.

उन्होंने शिक्षा और उत्पीड़ितों के उत्थान, अस्पृश्यता के उन्मूलन और जाति-प्रथा के अंत के लिए अपना जीवन समर्पित किया।



- Phule founded **Satyashodhak Samaj** in 1874 with the goal of advancing the rights of oppressed communities, including women, Dalits, and Shudras.

फुले ने 1874 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका उद्देश्य महिलाओं, दलितों और शूद्रों सहित उत्पीड़ित समुदायों के अधिकारों को आगे बढ़ाना था।



शिक्षा
(Education)



समानता
(Equality)



सामाजिक न्याय
(Social Justice)



Newspaper

- 1 **Deenbandhu (1877)**- Deenbandhu was founded by Krishnarao Pandurang Bhalekar (1850-1910) and served as an outlet for Jotirao Phule's Satyashodhak Samaj.

दीनबन्धु (1877)- दीनबन्धु की स्थापना कृष्णराव पांडुरंग भालेराव (1850-1910) ने की थी और यह जोतिराव फुले के सत्यशोधक समाज का मुखपत्र था।



SAVITRIBAI PHULE

(1831-1897)



• She was one of the first female teachers in India, a social reformer, and a poet. Along with her husband, Jyotiba Phule in Maharashtra. वह भारत की पहली महिला शिक्षकों में से एक, समाज सुधारक और कवयित्री थीं। अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ, उन्होंने महाराष्ट्र में कार्य किया।



• she played a vital role in improving women's rights in India. उन्होंने भारत में महिलाओं के अधिकारों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



• She is considered to be the pioneer of India's feminist movement. उन्हें भारत के नारीवादी आंदोलन की अग्रदूत माना जाता है।



• They started their first school for girls in 1848 in Pune at Tatyasaheb Bhide's residence or Bhidewada

उन्होंने 1848 में पुणे में तात्यासाहेब भिडे के निवास या भिडेवाड़ा में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया।

“A woman without education is like a banyan tree without roots or leaves; she cannot provide for her children and stay alive herself.”
एक शिक्षित महिला बिना जड़ों या पत्तों वाले बरगद के पेड़ के समान है; वह अपने बच्चों का भरण-पोषण नहीं कर सकती और स्वयं भी जीवित नहीं रह सकती।”

BOOKS



Her published works include an anthology of poems titled 'Kavya Phule' (1854), 'Bavan Kashi Subodh Ratnakar' (1892), and a poem entitled 'Go, Get Education'.

उनकी प्रकाशित कृतियों में 'काव्य फुले' (1854) नामक कविताओं का संग्रह, 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' (1892), और 'गो, गेट एजुकेशन' नामक कविता शामिल है।



JRF Media Academy by Rohit

Bal Ganga Dhar Tilak (1856 - 1920)



- He was a great nationalist, social reformer and mass leader who influenced generations of people with his ideas and ideals.

वे एक महान राष्ट्रवादी, समाज सुधारक और जन नेता थे, जिन्होंने अपने विचारों और आदर्शों से पीढ़ियों को प्रभावित किया।



- He played a pioneering role in arousing mass political consciousness during the freedom movement. He was one of the strongest advocates of 'Self Rule' (Swaraj). उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जन राजनीतिक चेतना जगाने में अग्रणी भूमिका निभाई। वे 'स्वराज' (स्व-शासन) के प्रबल समर्थकों में से थे।



- Lokmanya Tilak was often referred to as the father of Indian unrest. लोकमान्य तिलक को अक्सर भारतीय असंतोष का जनक कहा जाता था।



- He was first to advocate Swaraj Complete Independence. वे सबसे पहले स्वराज यानी पूर्ण स्वतंत्रता के समर्थक थे।



Newspapers

1

Kesari (Marathi) 1881
केसरी (मराठी) 1881

2

Maratha (English) 1881
मराठा (अंग्रेजी) 1881



PANDIT MADAN MOHAN MALVIYA (1861-1946)



He was an Indian scholar, educational reformer and politician notable for his role in the Indian independence movement.

वह एक भारतीय विद्वान, शैक्षिक सुधारक और राजनीतिज्ञ थे, जो भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी भूमिका के लिए विख्यात हैं।



He founded the Banaras Hindu University (BHU) in Varanasi in 1916 as part of her efforts to advance modern education among Indians.

भारतीयों के बीच आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के तहत उन्होंने 1916 में वाराणसी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना की।



He was popularly known as **Mahamana**.

उन्हें लोकप्रिय रूप से महामना के नाम से जाना जाता था।



He was in favour of adult suffrage for women and the removal of Purdah. He supported widow remarriage and opposed child marriage both for boys and girls.

वे महिलाओं के लिए वयस्क मताधिकार और पर्दा प्रथा के उन्मूलन के पक्षधर थे। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया और लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए बाल विवाह का विरोध किया।



NEWSPAPER

1. Leader (1919) Founder- English Language
2. He was also the Chairman of Hindustan Times from 1924 to 1946.



समाचार पत्र

1. लीडर (1919) संस्थापक- अंग्रेजी भाषा
2. वे 1924 से 1946 तक हिंदुस्तान टाइम्स के चेयरमैन भी थे।



Mahatma Gandhi (1869-1944)



Gandhian vision of development was the creation of a self-sufficient and self-governing village for the overall development of the society. गांधीजी का विकास दृष्टिकोण एक आत्मनिर्भर और स्वशासी गाँव की स्थापना था, जो समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक था।



In Hind Swaraj, he criticized the society based on the Western nation of greed, wealth and industrialization on a massive scale. 'हिंद स्वराज' में उन्होंने लोभ, धन और बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण पर आधारित पश्चिमी सभ्यता की आलोचना की।



Central to this model is the principle of "Sarvodaya," which means the welfare of all.

इस मॉडल का केंद्रीय सिद्धांत "सर्वोदय" है, जिसका अर्थ है सभी का कल्याण।



It promotes the use of local resources, small-scale industries, and traditional methods of production that are environmentally friendly and socially responsible.

यह स्थानीय संसाधनों, लघु उद्योगों और पारंपरिक उत्पादन पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा देता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जिम्मेदार हैं।



It advocates for a self-sufficient, decentralized economy with a focus on rural development, self-employment, and the empowerment of local communities.

यह आत्मनिर्भर, विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था की वकालत करता है, जिसमें ग्रामीण विकास, स्वरोजगार और स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण प्रमुख है।

Gandhian Model of Development



Central to this model is the principle of "Sarvodaya," which means the welfare of all.

इस मॉडल का केंद्रीय सिद्धांत "सर्वोदय" है, जिसका अर्थ है सभी का कल्याण।



It promotes the use of local resources, small-scale industries, and traditional methods of production that are environmentally friendly and socially responsible.

यह स्थानीय संसाधनों, लघु उद्योगों और पारंपरिक उत्पादन पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा देता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जिम्मेदार हैं।



It advocates for a self-sufficient, decentralized economy with a focus on rural development, self-employment, and the empowerment of local communities.

यह आत्मनिर्भर, विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था की वकालत करता है, जिसमें ग्रामीण विकास, स्वरोजगार और स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण प्रमुख है।

Mahatma Gandhi The Mass Communicator



1903
Indian Opinion



1919
Young India



1933
Harijan



1947
Navajivan



Newspapers



1

Kesari (Marathi) 1881
केसरी (मराठी) 1881

2

Maratha (English) 1881
मराठा (अंग्रेजी) 1881



JRF Media Academy by Rohit

Match the List-I with List-II.

सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए।

List - I / सूची - I

- (a)  Dependency Theory
निर्भरता सिद्धांत
- (b)  Basic needs model
मूलभूत आवश्यकताएँ मॉडल
- (c)  Industrialization
औद्योगीकरण
- (d)  Another development
एक अन्य विकास

List - II / सूची - II

- 1.  Capitalist approach
पूंजीवादी दृष्टिकोण
- 2.  Grass-roots approach
जमीनी (ग्रास-रूट्स) दृष्टिकोण
- 3.  Marxist approach
मार्क्सवादी दृष्टिकोण
- 4.  Gandhian approach
गांधीवादी दृष्टिकोण

सही मिलान / Correct Match

(a) – 3

(निर्भरता सिद्धांत – मार्क्सवादी दृष्टिकोण)

(b) – 4

(मूलभूत आवश्यकताएँ मॉडल – गांधीवादी दृष्टिकोण)

(c) – 1

(औद्योगीकरण – पूंजीवादी दृष्टिकोण)

(d) – 2

(एक अन्य विकास – जमीनी दृष्टिकोण)



Understanding different development theories helps us analyze various approaches to development.

विभिन्न विकास सिद्धांतों को समझना हमें विकास के विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने में मदद करता है।



Vinoba Bhave

विनोबा भावे



An avid follower of Mahatma Gandhi, Acharya Vinoba Bhave was a nonviolence activist, freedom activist, and social reformer.

महात्मा गांधी के एक प्रमुख अनुयायी, आचार्य विनोबा भावे एक अहिंसा समर्थक, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे।



He constantly fought against evil through non-violent measures and instilled in people a religious and spiritual outlook towards life.

उन्होंने निरंतर अहिंसक उपायों के माध्यम से बुराई के खिलाफ संघर्ष किया और लोगों में धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण विकसित किया।



often called Acharya (Teacher in Sanskrit), he is best known for the Bhoodan Movement. He is considered as National Teacher of India and the spiritual successor of Mahatma Gandhi.

उन्हें अक्सर आचार्य (संस्कृत में शिक्षक) कहा जाता है, वे भूदान आंदोलन के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें भारत का राष्ट्रीय शिक्षक और महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में माना जाता है।



Books / पुस्तकें

1 Ahinsa ki Talash अहिंसा की तलाश



2 Stri Shakti स्त्री शक्ति



3 Tisri Shakti तीसरी शक्ति



Q10 Names of the books written by Vinoba Bhavey are -
विनोबा भावे द्वारा लिखी गई पुस्तकों के नाम हैं -

- | | | |
|----|------------------------|---------------------|
| A. | Euklyd ka Rekhaniganit | यूक्लिड का रेखागणित |
| B. | Man ki Shakti | मन की शक्ति |
| C. | Ahinsa ki Talash | अहिंसा की तलाश |
| D. | Stri Shakti | स्त्री शक्ति |
| E. | Tisri Shakti | तीसरी शक्ति |

Choose the correct answer from the options given:

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

- | | | |
|----|-----------------|----------------|
| 1. | A, B and C only | केवल A, B और C |
| 2. | A, C and D only | केवल A, C और D |
| 3. | B, C and D only | केवल B, C और D |
| 4. | C, D and E only | केवल C, D और E |



JRF Media Academy by Rohit



Sri Aurobindo

श्री अरविन्द



He was an Indian philosopher, yogi, maharishi, poet, and Indian nationalist.

वे एक भारतीय दार्शनिक, योगी, महर्षि, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे।



He was also a journalist, editing newspapers such as Vande Mataram.

वे एक पत्रकार भी थे, और 'वन्दे मातरम्' जैसे समाचार पत्रों का संपादन करते थे।



He joined the Indian movement for independence from British colonial rule.

वे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की स्वतंत्रता के आंदोलन से जुड़े।



Until 1910 was one of its influential leaders, and then became a spiritual reformer, introducing his visions on human progress and spiritual evolution.

1910 तक वे इसके प्रभावशाली नेताओं में से एक थे, और फिर आध्यात्मिक सुधारक बनकर मानव प्रगति और आध्यात्मिक विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

Newspapers / समाचार पत्र

1 Vande Mataram
वन्दे मातरम्



2 Karma yogin in English
कर्म योगिन इन इंग्लिश



3 Dharma in Bengali
धर्म इन बंगाली



Q. Aurobindo Ghosh's Journal was :

अरविन्द घोष की पत्रिका कौन सी थी :

1

Satyavadini

सत्यवदिनी

2

Dharma

धर्म



3

Swadesimitran

स्वदेशिमित्रन

4

Bala Bharathi

बाला भारती



JRF Media Academy by Rohit

B.R Ambedkar

बी.आर. आंबेडकर



Dr. B.R. Ambedkar was a pivotal figure in championing the rights of Dalits, advocating for social equality, and fighting against untouchability.

डॉ. बी.आर. आंबेडकर दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले, सामाजिक समानता के समर्थक और अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ने वाले एक महत्वपूर्ण नेता थे।



He promoted education as a means to uplift the marginalized, encapsulated in his slogan 'Educate, Agitate, Organize', and established educational institutions through the People's Education Society.

उन्होंने 'शिक्षित बनो, संघर्ष करो, संगठित हो' के नारे के साथ शिक्षा को बढ़ावा दिया और पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से शैक्षिक संस्थान स्थापित किए।



As the chairman of the drafting committee of India's constitution, he ensured provisions for the welfare of backward communities, including reservations.

भारत के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने पिछड़े समुदायों के कल्याण, जिसमें आरक्षण भी शामिल है, के लिए प्रावधान सुनिश्चित किए।



Ambedkar also pushed for land reforms to create an equitable agricultural system and overall economic justice for the underprivileged.

आंबेडकर ने भूमि सुधारों के लिए भी प्रयास किया ताकि एक न्यायसंगत कृषि प्रणाली और वंचितों के लिए समग्र आर्थिक न्याय सुनिश्चित हो सके।

Newspapers / समाचार पत्र

1 Muknayak (1920)
मुखनायक (1920)



2 Bahishkrut Bharat (1927)
बहिष्कृत भारत (1927)



3 Janata (1930)
जनता (1930)



4 Prabuddha Bharat (1956)
प्रबुद्ध भारत (1956)



Which of the following newspapers was edited by Dr. Bhimrao Ambedkar?

निम्नलिखित में से कौन सा समाचार पत्र डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा संपादित किया गया था?

- | | | |
|---|-------------|------------|
| A | Young India | यंग इंडिया |
| B | Mooknayak | मुकनायक |
| C | Bharat | भारत |
| D | Bahishikrit | बहिष्कृत |
| E | Kesari | केसरी |

Options / विकल्प

- | | |
|-------------------------------|---------------------------------|
| 1 B and E Only
केवल B और E | 2 B and D Only
केवल B और D ✓ |
| 3 A and B Only
केवल A और B | 4 A and D Only
केवल A और D |



JRF Media Academy by Rohit

Deen Dyal Upadhyaya (1916-1968)

दीन दयाल उपाध्याय (1916-1968)



Deendayal Upadhyaya was an Indian politician, proponent of integral humanism ideology and leader of the political party Bharatiya Jana Sangh, the forerunner of Bharatiya Janata Party

दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिज्ञ थे, समग्र मानववाद विचारधारा के प्रवर्तक और भारतीय जन संघ के नेता थे, जो भारतीय जनता पार्टी का पूर्ववर्ती संगठन था।



Integral humanism was a set of concepts drafted by Upadhyaya as a political program and adopted in 1965 as the official doctrine of the Jan Sangh.

समग्र मानववाद उपाध्याय द्वारा एक राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में गढ़ा गया विचारों का समूह था और 1965 में जन संघ का आधिकारिक सिद्धांत बनाया गया।



Indian Politician
भारतीय राजनीतिज्ञ



Proponent of
Integral Humanism
समग्र मानववाद
के प्रवर्तक



Leader of Bharatiya
Jana Sangh
भारतीय जन संघ
के नेता



Official doctrine in
1965 – Jan Sangh
1965 में जन संघ का
आधिकारिक सिद्धांत



Newspapers - Contributor

समाचार पत्र - योगदानकर्ता

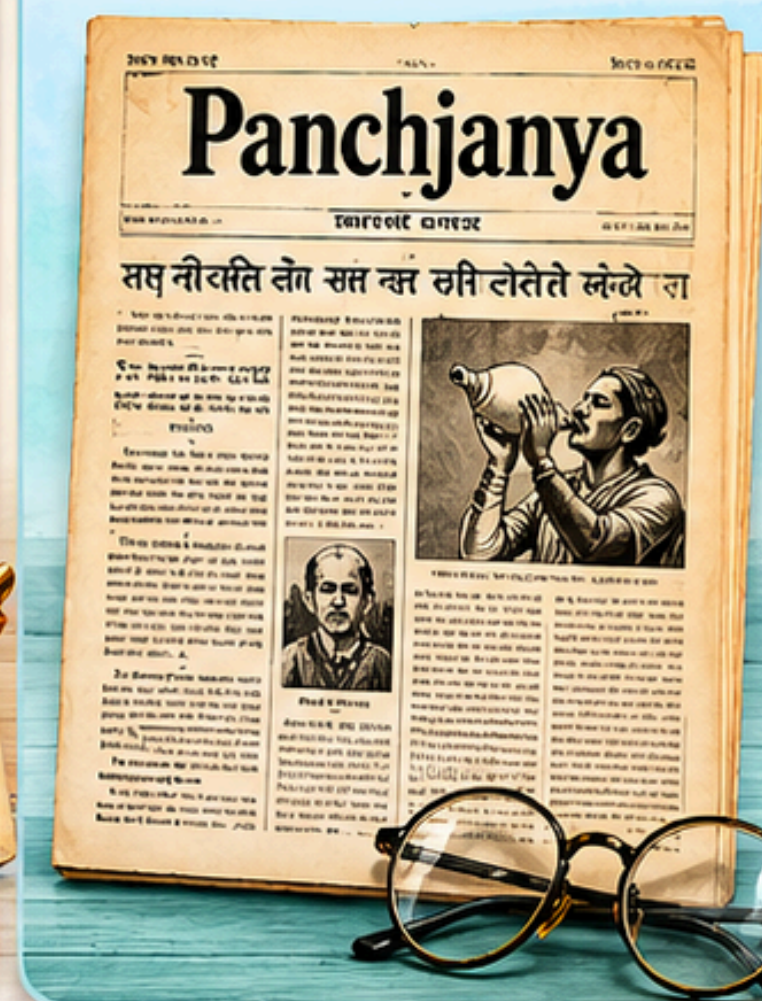
1. Rastra Dharma

राष्ट्र धर्म



2. Panchjanya

पांचजन्य



JRF Media Academy by Rohit

Dr. Ram Manohar Lohia

(1910-1967)



डॉ. राम मनोहर लोहिया (1910-1967)



He was an Indian politician and activist who was a prominent figure in socialist politics and in the movement towards Indian independence.

वे एक भारतीय राजनीतिज्ञ और कार्यकर्ता थे, जो समाजवादी राजनीति और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता थे।



Lohia identified five kinds of inequalities that need to be fought against simultaneously: inequality between men and women, inequality based on skin colour, caste-based inequality, colonial rule of some countries over others, and economic inequality.

लोहिया ने पाँच प्रकार की असमानताओं की पहचान की, जिनसे एक साथ लड़ना आवश्यक है: पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता, रंग के आधार पर असमानता, जाति आधारित असमानता, कुछ देशों का अन्य देशों पर औपनिवेशिक शासन, और आर्थिक असमानता।



Lohia was one of the founders of the Congress Socialist Party and editor of its mouthpiece Congress Socialist.

लोहिया कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक थे और उसके मुखपत्र 'कांग्रेस सोशलिस्ट' के संपादक थे।



RAM MANOHAR LOHIA WORKED WITH THE CONGRESS RADIO WHICH WAS BROADCAST SECRETLY FROM VARIOUS PLACES IN BOMBAY UNTIL 1942.

राम मनोहर लोहिया जी ने कांग्रेस रेडियो के साथ काम किया, जिसका प्रसारण 1942 तक बॉम्बे के विभिन्न स्थानों से गुप्त रूप से किया जाता था।



Five Kinds of Inequalities Identified by Lohia लोहिया द्वारा बताई गई पाँच प्रकार की असमानताएँ

1



Inequality between men and women
पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता

2



Inequality based on skin colour
रंग के आधार पर असमानता

3



Caste-based inequality
जाति आधारित असमानता

4



Colonial rule of some countries over others
कुछ देशों का अन्य देशों पर औपनिवेशिक शासन

5



Economic inequality
आर्थिक असमानता

Congress Radio (1942) कांग्रेस रेडियो (1942)



कांग्रेस रेडियो का प्रसारण 1942 तक बॉम्बे के विभिन्न स्थानों से गुप्त रूप से किया जाता था।

Mouthpiece of Congress Socialist कांग्रेस सोशलिस्ट का मुखपत्र



लोहिया कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक थे और उसके मुखपत्र 'कांग्रेस सोशलिस्ट' के संपादक थे।

